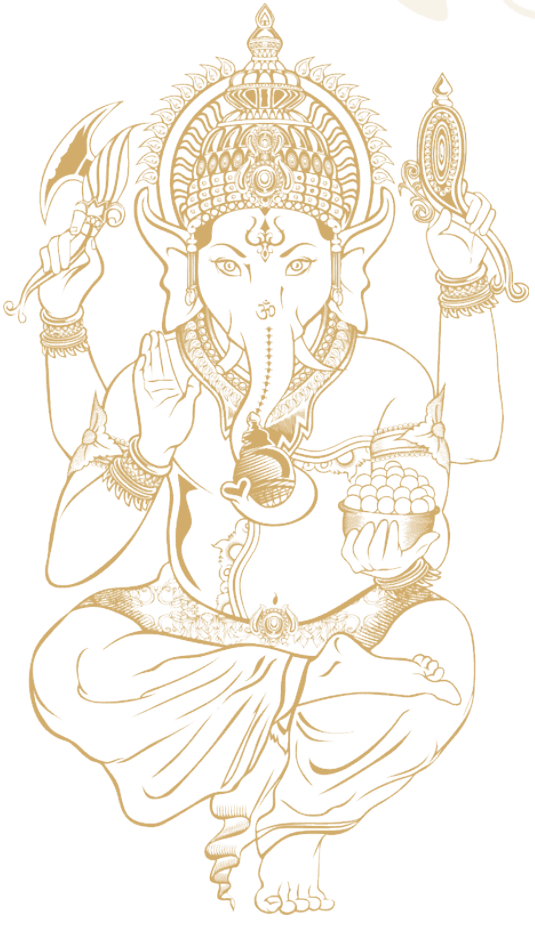

# Neelam pandya

12 Dec 1994

06:27 PM

Pondicherry

**Model: Baby-Horoscope** **Order No: 121958401**

**तिथि** 12/12/1994 **समय** 18:27:00 **वार** सोमवार **स्थान** Pondicherry **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:47:23
**अक्षांश** 11:56:00 उत्तर **रेखांश** 79:53:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:10:28 घंटे

### पंचांग

| | |
|---|---|
| साम्पातिक काल | 23:40:31 घं |
| वेलान्तर | 00:06:26 घं |
| सूर्योदय | 06:21:10 घं |
| सूर्यास्त | 17:47:03 घं |
| चैत्रादि संवत | 2051 |
| शक संवत | 1916 |
| मास | मार्गशीर्ष |
| पक्ष | शुक्ल |
| तिथि | 10 |
| नक्षत्र | रेवती |
| योग | वरियान |
| करण | गर |

### अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| गण | देव |
| योनि | गज |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सिंह |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | चा-चांदनी |
| पाया(रा.-न.) | ताम्र-स्वर्ण |
| होरा | शुक्र |
| चौघड़िया | चर |

### विंशोत्तरी

**बुध 4वर्ष 8मा 9दि**
**शुक्र**
**22/08/2006**
**22/08/2026**

| | |
|---|---|
| शुक्र | 21/12/2009 |
| सूर्य | 22/12/2010 |
| चन्द्र | 21/08/2012 |
| मंगल | 21/10/2013 |
| राहु | 21/10/2016 |
| गुरु | 22/06/2019 |
| शनि | 22/08/2022 |
| बुध | 22/06/2025 |
| केतु | 22/08/2026 |

### योगिनी

**उल्का 1वर्ष 7मा 26दि**
**भद्रिका**
**08/08/2021**
**09/08/2026**

| | |
|---|---|
| भद्रिका | 19/04/2022 |
| उल्का | 17/02/2023 |
| सिद्धा | 08/02/2024 |
| संकटा | 19/03/2025 |
| मंगला | 09/05/2025 |
| पिंगला | 19/08/2025 |
| धान्या | 18/01/2026 |
| भ्रामरी | 09/08/2026 |

| ग्रह | व | अ | अंश | राशि | नक्षत्र | पद | स्वामी | अं. | स्थिति | षट्बल | चर | स्थिर | ग्रह तारा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | 06:33:58 | मिथु | मृगशिरा | 4 | मंगल | चंद्र | --- | 0:00 | | | |
| सूर्य | | | 26:29:04 | वृश्चि | ज्येष्ठा | 3 | बुध | गुरु | मित्र राशि | 0.94 | आत्मा | पितृ | जन्म |
| चंद्र | | | 26:19:12 | मीन | रेवती | 3 | बुध | गुरु | सम राशि | 1.32 | अमात्य | मातृ | जन्म |
| मंगल | | | 06:13:27 | सिंह | मघा | 2 | केतु | राहु | मित्र राशि | 1.21 | कलत्र | भ्रातृ | सम्पत |
| बुध | | अ | 25:35:49 | वृश्चि | ज्येष्ठा | 3 | बुध | राहु | सम राशि | 0.78 | भ्रातृ | ज्ञाति | जन्म |
| गुरु | | | 06:52:40 | वृश्चि | अनुराधा | 2 | शनि | बुध | मित्र राशि | 0.76 | ज्ञाति | धन | अतिमित्र |
| शुक्र | | | 14:55:56 | तुला | स्वाति | 3 | राहु | केतु | मूलत्रिकोण | 1.25 | मातृ | कलत्र | वध |
| शनि | | | 12:50:18 | कुंभ | शतभिषा | 2 | राहु | बुध | मूलत्रिकोण | 1.17 | पुत्र | आयु | वध |
| राहु | | | 20:35:56 | तुला | विशाखा | 1 | गुरु | गुरु | मित्र राशि | | --- | ज्ञान | मित्र |
| केतु | | | 20:35:56 | मेष | भरणी | 3 | शुक्र | गुरु | मित्र राशि | | --- | मोक्ष | विपत |

## लग्न-चलित

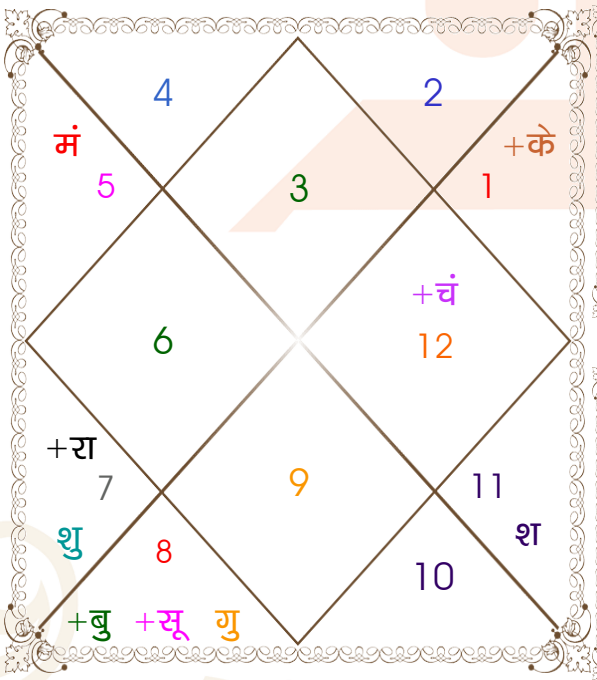


## चन्द्र कुंडली

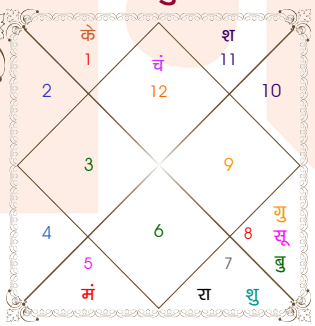


## नवमांश कुंडली

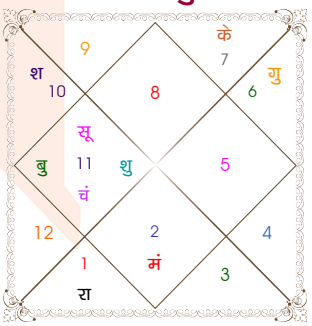


## सर्वाष्टकवर्ग

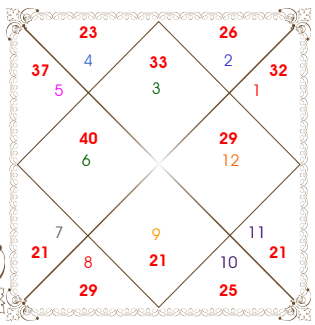


## दशमांश कुंडली

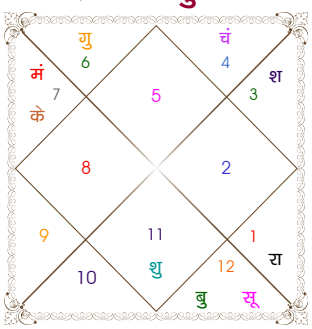

# नक्षत्रफल

आप रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्मराशि मीन तथा राशिस्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि गज, वर्ण ब्राहमण, गण देव, वर्ग मेष तथा नाड़ी अन्त्य होगी। नक्षत्र के तृतीय चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "च" या "चा" अक्षर से होगा। यथा चन्द्रावती आदि

आप नैसर्गिक रूप से अच्छे स्वभाव से युक्त रहेंगी तथा अन्य लोगों के साथ आपका व्यवहार विनम्र रहेगा। इससे सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित रहेंगे। जीवन में विविध प्रकार के धनैश्वर्य से आप सम्पन्न रहेंगी एवं सुखपूर्वक इसका उपभोग भी करेंगी। आप एक संयमशील महिला होंगी तथा समस्त इन्द्रियों को वश में रखने में सफल रहेंगी। आप में ईमानदारी का भाव सदैव विद्यमान रहेगा एवं अपने समस्त कार्यों को इसी गुण से सम्पन्न करेंगी। साथ ही व्यापारादि में भी आप निर्मल मन से लाभ अर्जित करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही आप एक बुद्धिमान महिला होंगी एवं एक धनाढ्य महिला के रूप में समाज में जानी जाएंगी।

**चारुशीलविभवो जितेन्द्रियः सद्धनानुभवनैकमानसः।**
**मानवो ननु भवेन्महामती रेवती भवति यस्य जन्मभम्।।**
**जातकाभरणम्**

अर्थात् रेवती नक्षत्र में उत्पन्न जातक सुन्दर स्वभाव वाला, ऐश्वर्य युक्त, जितेन्द्रिय, नेक नीयत से द्रव्य लाभ करने वाला तथा तीक्ष्ण बुद्धिवाला होता है।

आप के सभी शारीरिक अंग पूर्ण सुन्दरता से युक्त रहेंगे। आप समाज में सभी लोगों के मध्य समान रूप से लोकप्रियता अर्जित करेंगी तथा सभी लोगों को समान रूप से सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। आप शौर्योचित गुणों से भी युक्त रहेंगी तथा साहसिक कार्यों को करने के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेंगी। आपका मन भी निर्मल रहेगा एवं अन्य जनों से आपका निस्वार्थ स्नेह तथा मित्रता का व्यवहार रहेगा।

**सम्पूर्णाङ्गः सुभगः शूरः शुचिरर्थवान्पौष्णे।।**
**बृहज्जातकम्**

अर्थात् रेवती नक्षत्र में उत्पन्न होने वाला जातक शारीरिक अंगो से पूर्ण सम्पन्न, सर्वसमाजप्रिय, रणप्रिय, हृदय से शुद्ध एवं धन से सुसम्पन्न होता है।

आप कई प्रकार के कार्यों को करने में निपुण रहेंगी तथा अपने सभी महत्वपूर्ण कार्यों को प्रवीणता से सम्पन्न करेंगी। आप नाना प्रकार के शास्त्रों का ज्ञानार्जन करने में सफल होंगी एवं एक विदुषी के रूप में सामाजिक प्रतिष्ठा तथा ख्याति अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त धन वैभव से भी आप सुसम्पन्न रहकर सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।

**सम्पूर्णाङ्गः शुचिर्दक्षः साधुः शूरो विचक्षणः।**
**रेवती सम्भवे लोके धनधान्यैरलंकृतः।।**
**मानसागरी**

अर्थात् रेवती नक्षत्र में उत्पन्न जातक सब अंगों से पूर्ण, पवित्र, कार्यों में दक्ष, साधु, शूरवीर, पंडित एवं धन धान्यों से सर्वथा अलंकृत रहता है।

आपके जानु में कोई निशान या चिन्ह भी अंकित हो सकता हैं। आप सलाह देने आदि कार्यों में अत्यन्त ही दक्ष होंगी फलतः सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आप सुन्दर पति तथा गुण सम्पन्न पुत्रों से सर्वथा युक्त रहेंगी तथा आपके मित्र भी सद्गुणों से सुसम्पन्न तथा शिक्षित होंगे। आप दृढ़ निश्चयी महिला होंगी तथा अपने समस्त कार्यों को दृढता से सम्पन्न करेंगी। साथ ही आपके पास धन सम्पति भी प्रायः स्थिर रूप से विद्यमान रहेगी।

**रेवत्या मुरूलांच्छनोपगतनुः कामातुरः सुन्दरो।**
**मंत्री पुत्रकलत्रमित्रसहितो जातः स्थिरः श्रीरतः।।**
**जातकपरिजातः**

अर्थात् रेवती नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य जाघों में चिन्ह वाला, कामातुर, सुन्दर, मंत्री या सलाह देने वाला, दृढ़, श्रीयुत, स्त्री, पुत्र तथा मित्रों से युक्त होता है।

आप ताम्र पाद में उत्पन्न हुई हैं। अतः आप राज्य या सरकार से नित्य धनलाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा समाज में दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। साथ ही आप सन्तोषी स्वभाव से भी युक्त रहेंगी। आपका आचरण श्रेष्ठ रहेगा। अतः सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। जीवन में विविध प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा सुखपूर्वक जीवन में इनका उपभोग करेंगी। माता पिता के प्रति आप पूर्ण सम्मान का भाव रखेंगी तथा उनसे भी आपको पर्याप्त धन सम्पत्ति प्राप्त होगी ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा विदुषी के रूप में आपका सम्मान होता रहेगा। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगी तथा वाहन एवं भूमि आदि जायदाद से भी सुसम्पन्न रहेंगी। धर्म के प्रति आपकी निष्ठा रहेगी तथा स्वभाव में साहस का समावेश रहेगा। आप परोपकार संबंधी कार्यों में भी में तत्पर रहेंगी तथा सज्जन पुरूषों का नित्य आदर करेंगी। इसके अतिरिक्त दानशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगी।

आप समुद्र से उत्पन्न द्रव्यों तथा शंख मोती आदि रत्नों से सुसम्पन्न रहेंगी तथा इनसे आपको वांछित लाभ भी अर्जित होगा। जीवन में आप किसी अन्य व्यक्ति की धन सम्पत्ति को भी प्राप्त करेंगी तथा सुखपूर्वक इसका उपभोग करेंगी। आपका सुन्दर तथा नवीन वस्त्रों के प्रति अत्याधिक ही अनुराग रहेगा एवं इनको प्राप्त करने के लिए आप अत्यन्त ही लालयित भी रहेंगी। इसके अतिरिक्त शारीरिक रूप से आप मध्यम कद की महिला रहेंगी।

**जलपरधनभोक्ता दारवासोऽनुरक्तः।**

**समरूचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः।।**
**अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारूदृष्टिः।**
**द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्त्यराशौ।।**
**बृहज्जातकम्**

आप दिन में कई बार जल पीने की इच्छा प्रकट करेंगी तथा इसका अधिक मात्रा में उपयोग करेंगी। अपने पति के ऊपर आपका पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनसे आप पूर्ण रूपेण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। अतः आपका गृहस्थ जीवन अत्यन्त सुखमय एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप एक उच्चकोटि की महिला होंगी एवं समाज में पूर्ण रूप से सम्मानित रहेंगी। आप कृतज्ञता के गुण से भी सुशोभित रहेंगी एवं अन्य जनों से उपकृत होने पर आप उनका उपकार स्वीकार करेंगी तथा हार्दिक आभार भी व्यक्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा अपने अधिकांश महत्वपूर्ण कार्यों पर भाग्यबल से ही सफलता अर्जित करेंगी।

**अत्यम्बुपानः समचारूदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता।**
**विद्वान्कृतज्ञो ळमिभवत्यळमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोळन्त्यराशौ।।**
**फलदीपिका**

आपका इन्द्रियों पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा तथा संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेंगी। आप एक चतुर तथा बुद्धिमती महिला होंगी एवं अपने अधिकांश कार्यों को चतुराई तथा बुद्धिमतापूर्ण ढंग से ही सम्पन्न करेंगी। जल क्रीड़ा में आप अत्यन्त ही रूचिशील रहेंगी तथा इससे आपको अत्यन्त ही प्रसन्नानुभूति प्राप्त होगी। आप स्वच्छ बुद्धि से युक्त रहेंगी एवं धोखा किसी से भी नहीं करेंगी।

**शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः।**
**विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः।।**
**जातकाभरणम्**

आप उदरपोषण संबंधी कार्यों में अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगी। साथ ही कभी कभी लाभमार्ग अवरूद्ध होने पर आर्थिक संकट का भी आपको सामना करना पड़ेगा। आप कान्तिमय शरीर से सुशोभित रहेंगी एवं इससे आपके सौन्दर्य में नित्य अभिवृद्धि होगी। आप पिता से भी धन सम्पति अर्जित करेंगी एवं उसका जीवन में सुखपूर्वक उपभोग करेंगी। आप में साहस का भाव भी रहेगा एवं साहसिक कार्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप में सन्तोष का भाव भी विद्यमान रहेगा।

**जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोळप्रशस्तः।**
**उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो डध्यः।।**
**अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारूकान्तिः।**
**पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः।**
**तुष्टः साहसी क्रोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः।।**

**जातकदीपिका**

आप स्वभाव से गम्भीर होंगी तथा वीरता एवं पराक्रम के गुणों से सर्वदा सुशोभित रहेंगी। समाज में आप एक गणमान्य तथा प्रतिष्ठित महिला रहेंगी तथा सभी सामाजिक लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आप में कृपणता का भाव भी रहेगा। अतः धन संचय में अधिक रूचिशील रहेंगी। कुल या परिवार में आप प्रिय रहेंगी तथा सभी परिवारिक जनों से आप यथोचित स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। सेवाकार्यों में भी आप हमेशा यत्नशील रहेंगी एवं इनको सम्पन्न करके आत्मिक सन्तुष्टि प्राप्त करेंगी। आपको शीघ्र गति से चलना पसन्द होगा। आपका चाल चलन भी श्रेष्ठ रहेगा तथा अन्य जनों के लिए अनुकरणनीय तथा प्रशंसनीय रहेगा। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग के मध्य आप अत्यन्त ही प्रिय रहेंगी।

**गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः।**
**कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः।।**
**नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधंर्वकुशलः शुभः।।**
**मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः।।**
**मानसागरी**

इस प्रकार अपने आकर्षक सौन्दर्य एवं व्यक्तित्व तथा विद्वता के कारण आप समाज में सम्मानित महिला होंगी तथा कई अन्य लोगों से आपके मित्रतापूर्ण घनिष्ठ संबंध भी रहेंगे।

**मीनस्थे मृगलाञ्छने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः।।**
**जातक परिजातः**

देव गण में जन्म लेने के कारण आपकी वाणी अत्यन्त मधुर तथा प्रिय रहेंगी जिससे अन्य लोग आपसे सर्वथा प्रसन्न रहेंगे। आपकी बुद्धि भी सरलता के गुण से युक्त होगी तथा अपने विचारों को सादगी से प्रकट करना एवं अन्य की बातों को सुगमता से ग्रहण करना आपकी मुख्य विशेषता रहेगी। आपको अल्प मात्रा में शुद्ध तथा सात्विक भोजन करना अच्छा लगेगा। दूसरे लोगों के गुणों का आपको विस्तृत ज्ञान रहेगा एवं अच्छे बुरे की पहचान करने में भी आप सफल रहेंगी। साथ ही श्रेष्ठ लोगों द्वारा प्रतिपादित उत्तम गुणों से सुशोभित रहेंगी। इसके अतिरिक्त धनैश्वर्य तथा सम्पति से आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।

देखने में आप अत्यन्त ही सुन्दर होंगी एवं आपके मन में दानशीलता की प्रवृति विद्यमान रहेगी जिसका आप जीवन में यथाशक्ति अनुपालन करती रहेंगी। आप बुद्धिमान होंगी एवं हमेशा सादगीयुक्त जीवन व्यतीत करना पसन्द करेंगी अनावश्यक भौतिकता से आप दूर ही रहना चाहेंगी। इसके अतिरिक्त आप एक महान विदुषी के रूप में भी समाज में ख्याति अर्जित करेंगी।

**सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।**
**जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।**
**जातकाभरणम्**

अर्थात देवगण का जातक अच्छी वाणी वाला, सरल बद्धि से युक्त, अल्प मात्रा में भोजन करने वाला, अन्य जनों के गुणों का ज्ञाता, महान विद्वानों द्वारा वर्णित गुणों से युक्त तथा वैभवशाली होता है।

गज योनि में उत्पन्न होने के कारण आप उच्चाधिकारी वर्ग में प्रिय तथा आदरणीय रहेंगी तथा इनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित होता रहेगा। आप एक बलशाली महिला होंगी तथा अपने अधिकांश कार्यों को स्वभुजबल से ही सिद्ध करने में सफल रहेंगी। जीवन में विविध प्रकार के सुखों को आप प्राप्त करेंगी तथा सुखपूर्वक उनका उपभोग भी करेंगी। आप किसी उच्चाधिकारी की सहयोगी या स्वयं भी कोई उच्चाधिकार प्राप्त पद को प्राप्त करने में सफल हो सकती हैं। आप एक उत्साही महिला होंगी तथा अपने समस्त कार्यों को उत्साह पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त करेंगी।

**राजमान्यो बली भोगी भूपस्थान विभूषणः।**
**आत्मोत्साही नरो जातः गजयोनौ न संशयः।।**
**मानसागरी**

अर्थात् गजयोनि में उत्पन्न जातक राजमान्य, बली, भोगी, राज्यस्थान को सुशोभित करने वाला तथा उत्साही होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति दशम भाव में है। अतः माता का आप पूर्ण स्नेह प्राप्त करेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। धन सम्पत्ति तथा अन्य आवश्यक सुख संसाधनों से वे युक्त रहेंगी तथा जीवन के आवश्यक कार्यों में आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आप आजीविका, व्यापार तथा यश प्राप्ति भी उन्हीं के सहयोग से अर्जित करने में सफल होंगी।

आप उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा भाव रखेंगी एवं समयानुसार उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा यदा कदा आपस में सैद्धान्तिक मतभेद होंगे किन्तु उससे आपके संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। आप भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा हर सम्भव उनका सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगी। इस प्रकार आप एक दूसरें के लिए सामान्य रूप से शुभ ही समझी जाएंगी।

आपके जन्म समय में सूर्य षष्ठ भाव में स्थित है अतः पिता की आप प्रिय रहेंगी। उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी अच्छी रहेगी। फिर भी यदा कदा शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। धनैश्वर्य से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको पूर्ण रूपेण अपना आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे आपको कोई कष्ट न हो। साथ ही शत्रुवर्ग से भी आप का नित्य बचाव करते रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा का पालन भी नित्य करती रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर होंगे। परन्तु यदा कदा आपसी मतभेद भी रहेंगे जिससे कभी कभी आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु अल्प

समय में ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। आप जीवन में अपनी ओर से उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं किसी भी प्रकार से वांछित सहयोग तथा सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगी।

आपके जन्म के समय में मंगल की स्थिति तृतीय भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा शक्त, साहस एवं पराक्रम का भाव उनमें विद्यमान रहेगा। साथ ही यदा कदा शारीरिक व्याकुलता की भी उनको अनुभूति होगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में समस्त शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य क्षेत्र में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख के समय में भी आप उनसे पूर्ण सहायता प्राप्त करेंगी।

आप भी उनके प्रति हमेशा स्नेह का भाव रखेंगी एवं उनकी अवसरानुकूल सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण इसमें तनिक कटुता या तनाव भी आयेगा लेकिन कुछ समय के उपरान्त सब कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप उनके सुख दुःख की सहयोगी रहेंगी एवं यथाशक्ति उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग देती रहेंगी।

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी तथा पौर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरण, शुक्रवार चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल देने वाले होगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टिकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मन में चिन्ता, शरीर में अस्वस्थता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्त करने में असफलता तथा अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की श्रद्धापूर्वक उपासना करनी चाहिए। साथ ही वृहस्पतिवार के भी नियमित रूप से उपवास रखने चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के किसी योग्य विद्वान से कम से कम 16000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए इससे आपकी समस्त चिन्ताएं दूर होंगी एवं समस्त अशुभ प्रभाव समाप्त होकर अन्यत्र शुभ प्रभावो में वृद्धि होगी तथा सर्वत्र लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे।

**ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।**
**मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।**